>

Title: Regarding alleged suicide committed by a woman wrestler in Rajasthan.

श्री हनुमान बेनीवाल (नागौर): माननीय सभापति महोदय, दौसा से आने वाली माननीय सांसद ने अभी राजस्थान का जिक्र किया । राजस्थान के झुंझुनू जिले के जैतपुर गाँव की निवासी महिला पहलवान रितिका, जिसने पहलवानी की शुरुआत की थी और वह बहुत अच्छी पहलवानी कर रही थी, वह आगे इस देश का नाम रोशन करती, वह राजस्थान का नाम रोशन करती, लेकिन इस महिला पहलवान ने दो दिन पहले आत्महत्या कर ली । मैं आपके माध्यम से दिल्ली की सरकार का ध्यान आकर्षित करना चाहता हूँ ।

12 से 14 मार्च तक राजस्थान के भरतपुर स्थित लोहागढ़ स्टेडियम में राज्य स्तरीय सब-जूनियर, जूनियर महिला व पुरुष कुश्ती प्रतियोगिता हुई थी । इस मुकाबले में विवाद की स्थिति में ज्यूरी का, जिसमें दो-तीन से निर्णय होता है, उनको ही अंतिम फैसला करने का अधिकार होता है । मगर समाचार पत्रों व खेल जगत के प्रतिष्ठित लोगों के माध्यम से यह जानकारी आई कि उस कुश्ती में जो मुख्य अतिथि थे, उन्होंने मध्यस्थता की और वह जीती हुई थी, पहले उसकी जीत डिक्लेयर कर दी, जब वह चली गई, तो उसे वापस बुलाकर उससे कहा कि आप जीती नहीं हो, आप हार गई हो । स्टेट चैम्पियनशिप के अंतिम मुकाबले में हार के बाद वह सदमे में चली गई । देश के और राजस्थान के प्रमुख समाचार पत्रों तथा सोशल साइट्स के माध्यम से इसके बारे में पता चला ।

मैं आपके माध्यम से सरकार को बताना चाहूँगा कि इसकी एज ग्रुप के अनुसार उसको नेशनल खेलने के लिए यह अंतिम मौका था । रितिका विजय हो गई थी, इसका विडियो क्लिप भी है ।

माननीय सभापति: आप अपनी डिमांड बता दीजिए ।

श्री हनुमान बेनीवाल: सर, यह बहुत ही महत्वपूर्ण मामला है ।

निर्णय करने वाले लोगों, जिसमें वहाँ के जिला खेल अधिकारी सत्यप्रकाश, महासचिव रवीन्द्र पहलवान, सी.पी. सिंह ने उसे दोबारा बुलाकर उसको हारा हुआ घोषित किया । सभापति महोदय, एक सोची-समझी साजिश के तहत विजेता को उप-विजेता बना दिया गया । इस साजिश में बहुत लोग थे, जिन्होंने इसके भविष्य को अंधकार में डाल दिया । मैं मांग करूंगा कि यदि देश का खिलाड़ी, चाहे वह किसी भी खेल क्षेत्र में हो, आत्महत्या करता है, तो उसके कारणों पर भारत सरकार को संज्ञान लेने की आवश्यकता है ।

मैं जानता हूं कि राजस्थान की सरकार इसकी जांच नहीं करेगी, जैसा कि मेरे से पूर्व सांसद ने भी बताया । इस 17 वर्षीय बालिका को न्याय तब ही मिलेगा, इस बालिका की आत्मा को सच्ची श्रंद्धाजलि तब ही मिलेगी, जब इस कुश्ती के आयोजनकर्ताओं पर एनआईए, सीबीआई या यहां से न्यायिक जांच के आदेश लोक सभा अध्यक्ष या आप फरमाएं । …(व्यवधान) मैं सिर्फ आधा मिनट और लूंगा क्योंकि यह बहुत महत्वपूर्ण मामला है । राजस्थान में आप देख रहे हैं कि किस प्रकार की घटनाएं वहां घटित हो रही हैं । वर्ष 2021 में अस्पतालों में 519 दुष्कर्म के मामले दर्ज हुए, वहां कानून व्यवस्था वेंटीलेटर पर है । …(व्यवधान)

माननीय सभापति : मैं नेक्स्ट स्पीकर का नाम ले रहा हूं ।

…(व्यवधान)

श्री हनुमान बेनीवाल: माननीय सभापति महोदय, मेरा निवेदन है कि दिल्ली की सरकार इस विषय का संज्ञान ले और इस बालिका, जिसने आत्महत्या की है, इस बालिका को न्याय दिलाए और उन आयोजनकर्ताओं के खिलाफ कड़ी कार्रवाई करे ।